वि . वि .मं
रा. म. साळगांवकर उच्च माध्यमिक विद्यालय
मडगाव गोवा
प्रथम त्रैमासिक परीक्षा

कक्षा : ११ वी | विषय : हिन्दी | समय : १ घंटा
दिनांक: २६ /७ /२०२५ | अंक: २०

सामान्य निर्देश -

१. कुल प्रश्न १६ हैं
२. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
३. दायी ओर दर्शायी हुई संख्या प्रश्न के अंक दर्शाती है।

निम्नलिखित अपठित गद्यांश के आधार पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लगभग १५ से २० शब्दों में लिखिए।

बाबू हरिदास का ईटों का पजावा शहर से मिला हुआ था। आसपास के देहातो से सैकडों स्त्री पुरुष, लडके नित्य आते और पजावे से ईट सिर पर उठाकर ऊपर कतारों से सजाते। एक आदमी पजावे के पास एक टोकरी में कौडियाँ लिए बैठा रहता था। मजदूरों को ईटों की संख्या के हिसाब से कौडियाँ बाँटता। ईटें जितनी ही ज्यादा होती उतनी ही ज्यादा कौडियाँ मिलती। इस लोभ में बहुत से मजदूर बूते के बाहर काम करते। वृध्दों और बालकों को ईटों के बोझ से अकडे हुए देखना बहुत करुणाजनक दृश्य था। कभी कभी बाबू हरिदास स्वंय आकर कौडिवाले केपास बैठ जाते और ईटे लादने को प्रोत्साहित करते। यह दृश्य तब और भी दारुण हो जाता था जब ईटों की कोई असाधारण आवश्यकता आ पडती।

१. मजदूरों को मजदूरी किस हिसाब से मिलती थी ? १
२. 'आवश्यक' शब्द का विरुध्दार्थी शब्द लिखिए। १
३. सबसे करुणाजनक दृश्य कौनसा था ? १

निम्नलिखित पठित गद्यांश के आधार पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

मियाँ नसीरुद्दीन ने आँखों के कंचे हम पर फेर दिए। फिर तरेरकर बोले ' क्या मतलब ? पूछिए साहब नानबाई इल्म लेने कहीं और जाएगा ? क्या नगीनासाज के पास ? क्या आईनासाज के पास ? क्या मीनासाज के पास ? या रफूगर, रँगरेज या तेली तंबोली से सीखने जाएगा ? क्या फरमा दिया साहब यह तो हमारा खानदानी पेशा ठहरा। हाँ, इल्म की बात पूछिए तो जो कुछ भी सीखा, अपने वालिद उस्ताद से ही। मतलब यह की हम घर से न निकले कि कोई पेशा अख्तियार करेंगे। जो बाप दादा का हुनर था वही उसने पाया और वालिद मरहूम के उठ जाने पर आ बैठे उन्हीं के ठीये पर।

४. मियाँ नसीरुद्दीन ने लेखिका को देखकर क्या समझा था ? १
५. मियाँ नसीरुद्दीन ने किस्म किस्म की रोटियाँ बनाने का इल्म किससे सीखा था ? १
६. मियाँ नसीरुद्दीन की दुकान कहाँ स्थित थी ? १

निम्नलिखित पठित पद्यांश के आधार पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लगभग १५ से २० शब्दों में लिखिए।

जैसे बाढी काष्ट ही काटै अगिनि न काटै कोई।
सब घटि अंतरि तूँही व्यापक धरै सरूपै सोई॥

७. कबीर की दृष्टि में ईश्वर का स्वरूप क्या है ? १
८. बढही किसे काट नही सकता ? १
९. कबीर के अनुसार नर्क के भागी कौन होते है ? १

अथवा

पिता जी जिनको बुढापा,
एक क्षण भी नही व्यापा
जो अभी भी दौड जाएँ,

जो अभी भी खिलखिलाएँ।

७. कविने घर की याद कविता कहाँ से लिखी है ? १

८ 'पानी गिरने' से कवि का क्या तात्पर्य है ? १

९ . कवि के पिताजी बुढापे मे भी क्या क्या कर सकते है ? १

१०. निम्नलिखित काव्यांश का भाव सौंदर्य स्पष्ट कीजिए। २

वह तुम्हारा मन समझकर,
और अपनापन समझकर,
गया है सो ठीकही है,
यह तुम्हारी लीकही है,

पाँव जो पीछे हटाता,
कोख को मेरी लजाता,
इस तरह होओ न कच्चे,
रो पडेंगे और बच्चे।

निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग ४० से ४५ शब्दों में लिखिए। २

११ . 'वंशीधर एक ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ दारोगा था।' कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

निम्नलिखित माध्यम / लेखन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लगभग १० से १२ शब्दों में लिखिए। ४

१२. सफल संचार के लिए क्या आवश्यक होता है ?

१३. जनसंचार से आपका क्या अभिप्राय है

१४. संचार के तत्व कौन कौन से है ?

अथवा

१४ अंतःवैयक्तिक संचार से क्या अभिप्राय है ?

१५. संचार शब्द की उत्पति किस धातु से हुई है ?

१६. 'आतंकवाद का प्रभाव' इस विषय पर प्रथमेश और स्वानंदी इन दो शिक्षकों के बीच हुआ संवाद १५ से २० वाक्यों में लिखिए। ३

.....